7 चीनी फेरीवाला

(रेखाचित्र)

Vocabulary **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE**

शब्द-ज्ञान

प्रत्येक पंक्ति में भिन्नार्थक शब्द पर गलत (✗) का निशान लगाइए–

अपरिमार्जित	अशुद्ध	पवित्र	अस्वच्छ
विनोद	मज़ाक	हास्य	क्रोध
संग्राम	युद्ध	संघर्ष	संधि
विवेक	ज्ञान	बुद्धि	बल
कुंठित	मंद	निष्प्रभावी	मंजिल
सत्य	सच	तथ्य	मिथ्या

Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
व्याकरण

1. समस्त पदों के उचित समास पर सही (✓) का निशान लगाइए–

प्रतिदिन	–	तत्पुरुष समास	○	अव्ययीभाव समास	○
राजदरबार	–	तत्पुरुष समास	○	कर्मधारय समास	○
दशानन	–	बहुव्रीहि समास	○	द्वंद्व समास	○
चौराहा	–	द्वंद्व समास	○	द्विगु समास	○
यथाशक्ति	–	अव्ययीभाव समास	○	कर्मधारय समास	○

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) प्रत्येक देशों के प्रतिनिधि आए हैं।

....

(ख) पूजा सर्वत्र गुणवान की होती है।

....

(ग) मुझे काटकर खरबूजा थाली में दो।

....

(घ) प्रेमचंद कथाकार आम जन के थे।

....

Writing Tasks **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment)** based on **CCE**
लेखन-कार्य

1. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) चीनी फेरीवाला लेखिका के लिए जेब में रखकर क्या लाया था?

....

(ख) चीनी फेरीवाले को कौन-कौन सी भाषाएँ आती हैं?

....

2. लघु उत्तर लिखिए–

(क) लेखिका ने चीनी फेरीवाले को सर्वप्रथम किस रूप में देखा?

....

....

(ख) इस पाठ में 'माँ' को कैसा प्राणी बताया है?

....

....

3. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) गिरहकटों के गिरोह में उस बालक की क्या स्थिति थी? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

(ख) चीनी फेरीवाले की माता तथा बहन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

....

....

....

....

....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

अपने जीवन में आए किसी ऐसे प्राणी का स्मरण कर उसका वर्णन कीजिए, जिसे आप कभी भूल नहीं पाते हैं।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जंगल की सँकरी पगडंडियों पर से सेना की टुकड़ी गुज़र रही होती तो जंगलों में छिपे आदिवासी भारतीय सिपाहियों को गुज़र जाने देते, और जैसे ही अंग्रेज़ कमांडर नज़र आते, उन पर अचूक निशाना लगाते। आदिवासियों के विद्रोह से अंग्रेज़ सरकार इतना डरने लगी थी कि राजू के दल को आते देखकर थानों से पुलिस भाग जाती थी। श्रीराम राजू ने आदिवासियों से कह रखा था कि अंग्रेज़ों से लड़ो पर एक भी भारतीय सैनिक का बाल बाँका न होने पाए। अंग्रेज़ों की सेना में बहुत से भारतीय सिपाही भी थे। राजू के आदेश का सख्ती से पालन हुआ। वह जब पहाड़ों से कूच करता था, तो ऐसा लगता था मानों उसे किसी का भय न हो। आदिवासी लोग ऐसा मानते थे कि श्रीराम राजू के चमत्कार से अंग्रेज़ों की गोलियाँ पानी बन जाएँगी। इस विश्वास से वे गोलियों की परवाह किए बिना पुलिस चौकियों या सेना पर हमला कर देते थे और उनके अस्त्र-शस्त्र लूटकर भाग जाते थे।

1. बहुवचन रूप लिखिए–

सिपाही – .... आदिवासी – .... गोली – ....

2. समान अर्थ लिखिए–

सँकरी – .... विद्रोह – ....

भय – .... परवाह – ....

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आदिवासी किस पर निशाना लगाते थे?
....

(ख) अंग्रेज़ सरकार किससे डरने लगी थी?
....

(ग) श्रीराम राजू ने आदिवासियों से क्या कह रखा था?
....

(घ) 'बाल बाँका न होना' का क्या अर्थ है?
....

(ङ) आदिवासी लोगों को क्या विश्वास था?
....